लेखांकन पारिभाषिक शब्दावली

स्वीकृति

अदाकर्ता के आदेश पर विनिमय के बिल पर अदाकर्ता की हस्ताक्षरित सहमति। इस शब्द का उपयोग विनिमय बिल का वर्णन करने के लिए भी किया जाता है जिसे स्वीकार किया गया है।

लेखांकन नीतियां

लेखांकन नीतियां विशेष लेखांकन प्रणाली है और वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति में एक उद्यम द्वारा अपनाए गए प्रणालियों को लागू करने के तरीके है।

उपचय

अर्जित या उपगत राजस्व और लागत की मान्यता (और जैसे कि धन प्राप्त या भुगतान नहीं किया जाता) इसमें सम्पत्तियों और दायित्व से संबंधित लेनदेन की मान्यता शामिल है, क्योंकि वह वास्तविक प्राप्तियों या भुगतान के बावजूद होती है।

लेखांकन का उपचय/व्यापारिक आधार

लेनदेन की वह पद्धति जिसके द्वारा *राजस्व, लागत, सम्पत्तियां और दायित्व* उन खातों में प्रकट होती है जिनमें वह उपचय होती है। 'लेखाकरण के उपचय आधार' में *आस्थगित, आवंटन, मूल्यह्रास* और *परिशोधन* से संबंधित विचार शामिल है। इस आधार को *लेखांकन का व्यापारिक आधार* भी कहा जाता है।

उपचय सम्पत्ति

एक विकासशील लेकिन प्रवर्तनीय दावा किसी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध जो समय के पारित होने या सेवा प्रदान करने या अन्यथा संचित होता है। यह सेवाओं के प्रतिपादन (जिसके अतिरिक्त रकम का उपयोग भी है) से उत्पन्न हो सकता है जो लेखा की तिथि को आंशिक रूप से निष्पादित किया गया है और अभी तक बिल योग्य नहीं है।

उपचित व्यय

ऐसा व्यय जो किसी लेखा अवधि में किया गया हो लेकिन जिसके लिए उद्यम के विरुद्ध उस अवधि में कोई प्रवर्तनीय दावा देय नहीं हुआ है। यह सेवाओं के क्रय (जिसके अतिरिक्त रकम का उपयोग भी है) से उत्पन्न हो सकता है, जो लेखा की तिथि में केवल आंशिक रूप से निष्पादित किया गया है और अभी तक बिल योग्य नहीं है।

उपचित दायित्व

एक विकासशील लेकिन अप्रवर्तनीय दावा जो किसी अन्य व्यक्ति द्वारा समय के पारित होने या सेवा की प्राप्ति या अन्यथा संचित होता है। यह उन सेवाओं के क्रय (जिसके अतिरिक्त धनराशि का उपयोग भी है) से उत्पन्न हो सकता है जो लेखा की तिथि में है।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

उपषिव ि जिस्व

ऐस *ि जिस्व* जो किसी लेख अवधि मे अरजि किय गय हो लेकिन षिजसके सि धि मे उद म द ि उस अवधि मे कोई पवि िीय द व देय नही हआ है। यह सेव ओ के पषि पि दन (षिजसके अि गि ि किम क उपयोग भी है) से उत्पन्न हो सकि है जो लेख की ि ि िख को आषिक र प से षिपष्ट नहि किय गय है औि अभी ि कि षि लि योग्य नही है।

साम्पि अवकय

साम्पषि यो की ि ि िद्धी पि आवषिक अवकय पभ ि ि की कुल षि षि।

साम्पि मूल्यह स

अवकयरीय साम्पषि यो पि आवषिक अवकयर पभ ि ि की कुल षि षि।

अषि म

किसी साम्पिद के पूि होने से पूवाय म ल के अजन य सेव ओ की प षि से पूवाकिय गय भुगि न।

परिशोधन मूल्य

परिशोधन के म ध्यम से पहले से ही पद न किए गए किसी भी भ ग को घट कि *परिशोधन योग्य* िषि।

व रिक षिवरि

किसी उद म के पि धिन द ि अपने परि चि लनो औि षिवतीय षिस्थषि से सि धिि ि म षिको औि अन्य इच्छुक व षि यो को व रिक र प से पद न की गई सूचन । इसमे स म न्यषि क र प से अपेषिि सूचन , उद हरि के षिए किसी कपनी के म मले मे, *आरथि क षिट , ल भ व ह षि षिवरि* एवाख ि ि पि नोट, *लेख परीिकक क षिवरि* औि षिदेशक मण्डल क षिवरि श षिल है। इसमे स्वैषिच्छक र प से पद न की गई अन्य ज नक ि ि भी श षिल है जैसे, *मूल्य वरधि कथन*, ि फ, च टाआषि।

षिषियोजन ख ि

किसी ख ि को कभी-कभी *ल भ व ह षि षिवरि* के एक अलग खण्ड के र प मे श षिल किय ज ि है षिजसमे *ल भ श, आि षिक षि यो* आषि के षिए *ल भ* क पयोग किय ज ि है।

साम्पषि

किसी उद म के स्व षित्व व ली मूि विस्िु एिय अमूि आषिक ि औि भ वी ल भ ले ि हे है।

प षिकृि शेयि पूजी

शेयि ि के पत्येक वगाकी साख्य औि मूल्य, जो एक उद म अपने षिगमन षिखि के अनुस ि ज ि ि कि सकि है। इसे कभी-कभी **न मम त शेयि पूजी** कह ज ि है।

औसत ल गत

किसी वस्तु की ल गत जो किसी अवधि के दौर न सम न प्रकृति के सभी वस्तुओं की ल गत क औसत लग ने के द्व र निध रित की ज ती हो। ज रग रन में भ रित भी लग य ज त है त इसे **भ रित औसत ल गत** कह ज त है।

ख़र ब ऋण

किसी उद्यम पर किय ऋण जिसे अपरिवर्तनीय म न ज त है।

आस्थगित निवेश

किसी उद्यम की वित्तीय स्थिति क एक विवरण जो किसी निध रित त रीख में उसकी संपत्तियों, द यित्वों, *पूंजी, आरक्षितियों और* अन्य ख तों में शेष र शियों को उनके संबंधित *बहीख त मूल्यों पर प्रदर्शित करत है।*

विनिमय बिल

निधिक र रूप में एक उपकरण जिसमें न म त द त हस्त क्षरित एक बिन शर्त आदेश होत है, जो एक निर्दिष्ट व्यक्ति को किसी निर्दिष्ट व्यक्ति के आदेश पर य उपकरण के व हक को केवल एक निर्दिष्ट र शि क भुगत न करने क निदेश देत है।

बोनस शेयर

किसी निगमित उद्यम के सदस्य य अंशध रकों के पूंजीकरण द्व र आबंटित शेयर।

बहीख त मूल्य

वह र शि जिस पर कोई वस्तु लेख बहियों य वित्तीय विवरणों में प्रकट होत है। यह किसी विशेष आध र क उल्लेख नहीं करत है जिस पर र शि क निध रण उद हरण के लिए ल गत, प्रतिस्थ पन मूल्य आदि के लिए किय ज त है।

उध र ल गत

उध र ल गत, किसी उद्यम द्व र निधियों के उध र के संबंध में की गई ब्य ज और अन्य ल गत होत है।

ब ंड/ऋण पत्र

एक औपच रिक दस्त वेज जो किसी उद्यम द्व र किसी ऋण की अभिस्वीकृति को दश त है जो आमतौर पर उसकी स म न्य मुहर के तहत किय ज त है और जिसमें स म न्य रूप से ब्य ज के भुगत न, प्रध न और सुरक्ष के भुगत न के संबंध में प्र वध न श मिल होत है, यदि कोई हो। यह उस्तांतरण के से हस्त ंतरणीय है।

कॉल

आवंटन के ब द शेयरों य *ऋण पत्र* पर देय शेष र शि के एक भ ग य पूर्ण भुगत न के लिए निगम की शर्तों के अनुस र में एक म ंग।

शेयर पूंजी के लिए कॉल

अदमदत शेयर पूंजी क वह भ ग जिससे शेयरध रिको को भुगत न कर आवश्यक होत है।

पूंजी

आम तौर पर एक उद म मे निवेश की गई र शि को सदंर्भित कर त है, उद हरण के लिए एक कॉर्पोरेट *उद म मे चुकत शेयर पूंजी*। इसक उपयोग किसी उद म की सम्पत्तियो मे म लिको के हित के लिए भी किय ज त है।

पूंजीगत सम्पत्तिय ा

सम्पत्ति, जिसमे व वस य के स म न्य प ठ कम मे बिक्री, र प तं रण य उपभोग के लिए नही रखे गए *निवेश* श मिल है।

पूंजीगत परिसंपदत

पूंजीगत व य के लिए भ वी *द यित्व* जिसके सं ध मे सविंद ए की गई है।

नियोजित पूंजी

किसी उद म द र अपनी *कुल स्थायी सम्पत्तियो, निवेशो* और *क यशील पूंजी* मे नियोजित निधि। तथ पि, किसी समय मे नियोजित पूंजी उस समय के दौर न किए गए *निवेशो* को अपवर्जित कर सकती है।

पूंजीगत ल भ/पूंजीगत ह नि

किसी पूंजीगत सम्पत्ति की पूर्ति य उसके एक हिस्से की बिक्री, हस्त तं रण य विनिमय से उसकी ल गत से अधिक प प्त आय। जब इस गर न क परिण म नक र त्मक होत है, तो इसे **पूंजी ह नि** कह ज त है।

आकस्मिक पूंजी

किसी स गर्मित उद म क *आकस्मिक* भ ग जो *ल भ श* के र प मे वितरण के लिए उपलब्ध न हो।

पूंजीगत व्यय

पूंजीगत सम्पत्तियो पर *व य* जो निम र्ण य सम पन की प्रक्रिय मे हो।

नकद

नकद मे ह थ मे नकदी और बैंको मे म ग जम र श मिल है।

नकद समतुल्य

नकद समतुल्य अल्प वधि, अत्यधिक तरल निवेश होते है जो आस नी से ज त म त मे नकदी मे परिवर्तित हो ज त है और जो मूल्य मे परिवर्तन के महत्वहीन जोखिम के अधीन होते है।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

लेखांकन का नकद आधार

लेन-देन की वह पद्धति जिसके द्वारा वास्तविक प्राप्तियों या वास्तविक भुगतान किए जाने की अवधि में *राजस्व* और *लागत* तथा *संपत्तियों* और *देयताओं* को लेखाओं में दर्शाया जाता है।

नकद छूट

एक निर्धारित अवधि के भीतर तत्काल भुगतान या भुगतान के प्रतिफल में बीजक मूल्य से आपूर्तिकर्ता द्वारा दी गई कटौती।

नकद लाभ

शुद्ध लाभ जो गैर-नकद लागत द्वारा घटाया गया हो, जैसे *मूल्यह्रास, परिशोधन* आदि। जब अधिकलन का परिणाम नकारात्मक होता तो इसे **नकद ह्रास** कहा जाता है।

वहन कीमत

वहन कीमत वह कीमत होती है जिस पर किसी संपत्ति को आर्थिक चिट्ठे में पहचाना जाता है, किसी संचित परिशोधन का कुल और उस पर संचित ह्रास।

प्रभार

ऋण सिक्योरिटी या अन्य देयताओं को सुरक्षित करने के लिए किसी संपत्ति पर एक ऋण भार। यह स्थायी या अस्थायी है।

चेक

ऐसा विनिमय *बिल* जो किसी निर्दिष्ट बैंकर पर आहरित हो और जो मांग से अन्यथा देय न हो।

संपार्श्विक प्रतिभूति

ऐसी प्रतिभूति जो समान *देयता* या कर्ज के विरुद्ध मूल प्रतिभूति के अतिरिक्त दी जाती हो।

खेप खाता

खेप खाता उस स्थिति से निपटने वाले खाते से संबंधित है जहां एक व्यक्ति (या फर्म) किसी अन्य व्यक्ति (या फर्म) को इस आधार पर सामान भेजता है कि सामान प्रेषक की ओर से और उसके जोखिम पर बेचा जाएगा।

निपटान की लागत

निपटान की लागत, एक संपत्ति के निपटान के लिए प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार वृद्धिशील लागत होती है, जिसमें वित्त लागत और आयकर व्यय शामिल नहीं है।

आकस्मिकता

आकस्मिकता, एक दशा या स्थिति होती है, जिसका अंतिम परिणाम, लाभ या हानि, केवल एक या अधिक अनिश्चित भविष्य की घटनाओं के घटित होने या न होने पर ही जाना या निर्धारित किया जाएगा।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

आकस्मिक सम्पत्ति

ऐसी *सम्पत्ति* जिसक अस्तित्व, स्व मत्त्व य मूल्य केवल एक य अधिक अनिश्चि भविष्य की घटन ओ के घटि होने य न होने पहीज न य निधरि किय ज सक है।

आकस्मिक द यित्व

किसी मौजूद दश य स्थिति से सम्बंधि एक द यित्व जो भविष्य मे एक य अधिक अनिश्चि भविष्य की घटन ओ के घटि होने य न होने के आध पि उत्पन्न हो सक है।

म ल ख

एक य दो य अधिक ख जो आंशिक र प से य पूर्ि हि से दूसरे य अन्य ख कोह क दे है।

ल ग

किसी निर्धारित वस्, उत्प द य गर्षिष्धि पि य उसके क रि होने व ले *व य* की किम।

कय की ल ग

इस हि की खीद के सम्बंध मे खीद की कीम, जिसमे शुल्क औ क, म ल ढुल ई औ अन्य *व य* श मल है, जो सीधे अध हिर, कम *व प्र रि*, छूट, शुल्क व पसी औ सब्सिडी के क रि जिम्मेद है।

विकय म ल की ल ग

लेख अवधि के दौ न विकय म ल की ल ग। विभिन्न क यो मे, इसमे

(i) स म की ल ग श मल है; (ii) शम औ क खि ने के उपरवि य; षकी औ पिश सनिक व य को आम ौ पि हि खि ज है।

परिवर्तन ल ग

कच्चे म ल य घटको को य िय अद य उत्प दो मे परिवर्ि कने के लिए उपग ल ग। इसमे आम ौ पि ल ग श मल हो है जो विशे र प से उत्प दन की इक इयो के क रि जिम्मेद हो है, जो प्रत्यक्ष शम, प्रत्यक्ष व य औ उपक याव *प्रत्यक्ष ल ग य अवशोि ल ग पद र्* के अनुस ल गू उत्प दन उपरवि य है। उत्प दन उपरवि य मे स म न्य पश सन, विक्र, षकी औ खि से सम्बंधि व य श मल नहीं है।

परिवर्तनीय ऋण पत्र

ऐस *ऋण पत्र* जो ध क को निगम की श के अनुस शेयर मे पूर ः य भ गः अपने सम्परिवर्तन क अधिक दे है।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

सञ्चयी ल भ श

सञ्चयी वरीयि शेयरों पि देय *ल भ श*, जो भुगि न न क्कए ज ने पि, अन्य शेयधि िकों को कोई ष्वरि िरि क्कए ज ने से पहले, एक कॉर्पोरेट उद्यम की कम ई के ष्वल फ द वे के रूप मे जम होि है।

सञ्चयी वरीयि शेयर

वरीयि शेयरों क एक वगाजो *सञ्चयी ल भ शों* के भुगि न क हकद ि है। वरीयि शेयरों को हमेश सञ्चयी म न ज ि है, जब िक िक वह स्पष्ट रूप से गैर सञ्चयी िन िए ज ि है।

वि भि न सम्पत्ति

ऐसी नकदी और अन्य सम्पत्तियां िजन्हे म ल के उत्प दन मे य स म न्य व वस य मे सेव ओं के पष पि दन मे नकदी मे परिवर्ति ि क्कए ज ने की अपेक्ष की ज िी है।

वि भि न द ष्यत्व

ऋर , जम ि षश और ि कि ओवरड्रफ्ट सहि ि द ष्यत्व जो अपेक्षकृि कम अवष्ध मे भुगि न के ष्लए देय होि है, स म न्य रूप से ि ि ि महीने से अष्धक नहीं है।

स्थगन

क्कसी ि जस्व य व य को उसकी सि िप्ति पि षश य भुगि न (य क्कसी द ष्यत्व क वहन) के ि द उस पि ित्वरि ि अवष्ध ि क के ष्लए स्थष्गि कर ि , ष्जस पि वह ल गू होि है। आस्थगन के स म न्य उद हरर ो मे पूवदत्त क्कि य और ि कि, सम च िपत्रो और पष्त्रक ओ की षर्ि की क्कि यो द ि अर्ि मि रूप से प्र प्त अपयुि सदस्यि आक्क श ष्मल है।

कमी

क्कसी उद्यम की *सम्पष्त्तयों* पि क्कसी ष्वशेष ि ि ि ि ख को *द ष्यत्व* की अष्धकि ि । ल भ व ह ष्न ष्ववरि

मे जम शेि

घ टा

ल भ व ह ष्न ष्ववरि मे जम शेि ।

अवकय

समय-समय पि वि य करि ि य अन्य स्थ न पि ि ि खे गए मूल्य को दश ि ने व ली िक ि की सम्पत्ति क ष्मक स ।

मूल्यह्रास

मूल्यह्रास, प्रौद्योगिकी और बाजार परिवर्तनों के माध्यम से उपयोग, समय के प्रवाह या अप्रचलन से उत्पन्न होने वाली अवक्षयणीय संपत्ति के मूल्य को पहनने, उपभोग या अन्य ह्रास का एक उपाय है। मूल्यह्रास का आबंटन इसलिए किया जाता है कि किसी संपत्ति के अपेक्षित उपयोगी जीवन के दौरान प्रत्येक लेखा अवधि में अवक्षयणीय रकम का उचित अनुपात वसूल किया जा सके। मूल्यह्रास में उन संपत्तियों का परिशोधन शामिल है जिनका उपयोगी जीवन पूर्वनिर्धारित होता है।

अवक्षयणीय रकम

अवक्षयणीय संपत्ति की अवक्षयणीय रकम उसकी ऐतिहासिक लागत है, या वित्तीय विवरणों में ऐतिहासिक लागत के स्थान पर अन्य रकम है, जो अनुमानित अवशिष्ट मूल्य से कम है।

अवक्षयणीय संपत्तियाँ

अवक्षयणीय संपत्तियाँ वह संपत्तियाँ हैं

(i) जिनका उपयोग एक से अधिक लेखा अवधि के दौरान होने की अपेक्षा है; और

(ii) एक सीमित उपयोगी जीवन है; और

(iii) किसी उद्यम द्वारा माल और सेवाओं के उत्पादन या आपूर्ति में उपयोग के लिए, दूसरों को किराए पर देने के लिए या प्रशासनिक प्रयोजनों के लिए, न कि सामान्य व्यवसाय के दौरान बिक्री के उद्देश्य के लिए आयोजित किए जाते हैं।

मूल्यह्रास पद्धति

किसी लेखा अवधि के लिए मूल्यह्रास की गणना करने की कोई पद्धति।

मूल्यह्रास दर

ऐतिहासिक लागत या *अवक्षयणीय संपत्ति* की प्रतिस्थापित रकम पर लागू प्रतिशत (या *ह्रासमान शेष प्रणाली* की दशा में, ऐतिहासिक लागत या प्रतिस्थापित रकम से *संचित मूल्यह्रास* घटाया गया)।

ह्रासमान शेष प्रणाली

एक पद्धति जिसके अधीन किसी *संपत्ति* के *मूल्यह्रास* के लिए आवधिक प्रभार की गणना उसकी ऐतिहासिक लागत के स्थायी प्रतिशत को लागू करके या *संचित मूल्यह्रास* (शुद्ध बहीखाता मूल्य) को घटा कर रकम प्रतिस्थापित करके की जाती है। इसे **लिखित मूल्य पद्धति** भी कहा जाता है।

छूट

सूची मूल्य, उद्धृत मूल्य या बीजक मूल्य से कमी। यह विधेयक की परिपक्वता से पूर्व भुगतान प्राप्त करने की कीमत को भी संदर्भित करता है।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

ल भ श

इस पयोजन के षलए उपलब्ध ल भो य आषिकषयो मे से शेयधि िको को षि िरि।

सत्र अवध रि

लेख कन सत्र औि उसके म षलको के िीच सि्धि क दृषकोर जो सत्र को एक अलग व षि, षमन औि उसके म षलको से दूि म नि है।

इक्कटी शेयि

ऐस शेयि जो ककसी प थषमकि शेयि न हो। इसे कभी-कभी **स म न्य शेयि** भी कह ज ि है। **षषषमय अिि**

षषषमय अिि वह अिि होि है जो षषषमन षषषमय दि पि पिषवेदन मुद मे षदेशी मुद की इक इयो की एक ही सख्य सूचन देने के पररि मस्वरूप होि है।

व य

स म षग यो, वस्िुओ य सेव ओ को प प्ि कनि के पयोजन के षलए ककसी द षयत्व, नकदी क स मन्ि रि य *स म षग* क अिि रि।

खचा

ककसी लेख अवषध के सम लन से सि्ि्धि ल गि य उस अवषध के दौि न अरजि *जिसक* य षजसके ल भो क उस अवषध से अषधक षसि ि नही होि है।

सम प्ि ल गि

ककसी *व य* क वह भ ग षजससे आगे कोई ल भ अपेष्कि न हो। इसे **खचा** भी कह **ज ि है**।

अस ध रि वस्िुएि

अस ध रि वस्िुएि ऐसी आय य व य है जो उन घटन ओ य लेनदेन से उत्पन्न होि है जो उद म की स म न्य गषषषधयो से स्पष र प से षमन होि है औि इसषलए, अक्सि य षयषमि र प से होने की उम्मीद नही की ज ि ी है।

उषचि मूल्य

उषचि मूल्य वह किम होि ी है षजसके षलए ककसी स मषग क आद न-पद न ककय ज सकि है य ककसी ह थ की दूिि पि लेन-देन मे ज नक ि, इच्छुक पको के िीच षाध रि ि द षयत्व।

उषचि ि ज ि मूल्य

वह मूल्य जो एक खुले औि अपषिि्धि ि ज ि मे म न ज एग , जो ह थ की दूिि पि कि याकनि व ले ज नक ि औि इच्छुक पको के िीच जो पूिि िि ह से सूषचि है औि लेन-देन के षलए ककसी भी द ि व मे नही है।

प्रथम प्रभार

ऐसा *प्रभार* जिससे अन्य प्रभारों पर प्राथमिकता दी जाती है।

प्रथम प्रवेश प्रथम निर्गम (FIFO)

किसी अवधि के दौरान खरीदे गए या उपभोग किए गए वस्तुओं की लागत की संगणना, मानो वह अपने अर्जन के क्रम में खरीदे गए या उपभोग किए गए हों।

नियत संपत्ति

ऐसी संपत्ति जिसका उपयोग माल या सेवाओं के उत्पादन या प्रदान करने के प्रयोजन के लिए किया जाता है और जो सामान्य व्यवसाय के दौरान विक्रय के लिए धारित नहीं की जाती है।

नियत लागत

उत्पादन की वह लागत जो अपनी प्रकृति के कारण समय की एक निश्चित अवधि में उत्पादन की मात्रा में भिन्नता के कारण अपेक्षाकृत अप्रभावित रहती है।

नियत जमा

विनिर्दिष्ट अवधि के लिए और विनिर्दिष्ट ब्याज दर पर जमा।

स्थायी या विनिर्दिष्ट प्रभार

ऐसा *प्रभार* जो किसी विशेष *संपत्ति* को संलग्न करता है जिसकी पहचान तब की जाती है जब प्रभार सृजित किया जाता है और *संपत्ति* की पहचान *प्रभार* के निर्वाह के दौरान नहीं बदलती है।

अस्थायी प्रभार

किसी उद्यम की किन्हीं या सभी *संपत्तियों* पर लागू या जो केवल सामान्य *प्रभार* जो किसी विशेष *संपत्तियों* से संलग्न न हो और जिन्हें किसी ऋण के प्रति प्रतिभूति के रूप में दिया गया हो।

वित्तीय उपकरण

वित्तीय उपकरण वह संविदा है जो किसी एक उद्यम की वित्तीय संपत्ति और किसी अन्य उद्यम के वित्तीय दायित्व या साधारण शेयर दोनों की उत्पत्ति होती है।

विदेशी मुद्रा

विदेशी मुद्रा किसी उद्यम की रिपोर्टिंग मुद्रा से भिन्न मुद्रा है।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

जब्ति शेयि

वह शेयि जिसक शीघ्रि किसी सदस्य द ि म ग गा मुद क भुगि न न कनिे य सदस्यों के िीच किसी भी जुड व को पूि कनिे में चूक य सदस्यों के विषक सन के क िरि खो दिय ज ि है, जह ं लेख विशेि ि रू प से इसके लिए पद न कि ि है।

नि:शुल्क सम्मय

ऐस *सम्मय* जिसक उपयोग किसी भी पक ि सीमि ि न हो।

क य त्मक वर्गीकरि

व य औि *ि जस्व* के वर्गीकरि की एक पर ली औि उनके स्वर प के सद्भाके जि य पत्येक क याय गष्ठ विश्लेष के लिए सि ि्धि *सम्पत्ति यों* औि *द यित्वों* क वर्गीकरि ।

धनि षि

ऐस ख ि जो आम ि ौि पि किसी *सम्मय* की पकृषि क हो य किसी *प वध न* क हो जिसे विशेि ि रू प से निध ि ि ि *सम्पत्ति यों* द ि दश य गय हो।

मौलिक लेख क्कन ध िरि

मूल लेख ध िरि एजो वित्तीय विवरिों की ि ि यि ि ी औि पस्ष्तुषि क आध ि है। वह *व्य्य*, *निि ि ि ि* औि *सम्मयन* पि जि ि है है। आम ि ौि पि, उन्हें विशेि ि रू प से इसलिए नही कह ज ि है क्योंकि उनकी स्वीकृषि औि उपयोग म न ज ि है। पकटीकरि आवश्यक है यदि उनक प लन नही किय ज ि है।

ल भ

किसी लेन-देन य लेन-देन के समूह से उत्पन्न होने व ल मौद्रिक फ यद , *ल भ* य मुन फ ।

स म न्य सम्मय

ऐस *ि जस्व सम्मय* जो किसी विशेष पयोजन के लिए निध ि ि ि न हो।

व ि म न व पि अवध ि रि

एक लेख ध िरि जिसके अनुस ि किसी उद म को निकट भविष्य के लिए परचि लन में ज ि ी म न ज ि है। यह म न ज ि है कि उद म के प स न ि ि इ ि द है औि न ही परिसम पन की आवश्यकि है य भौषिक र प से अपने परचि लन के पैम ने को कम कनिे की आवश्यकि है।

स ख

कोई *अमूि सिम्पत्ति* जो किसी उद म के व प ि न म य पष्ठि से उद्भू ि हो।

सकल म रजस्र य सकल ल भ

पश सन, ष की, षार िरि औ ि षातपो ि रि व यो को ध्य न मे ि खिने से पहले, कसी अवधष के दौ ि न ि ची गई वस्ति ओ औ ि पद न की गई सेव ओ की उनकी *ल गि* से अधष्क आय। ज ि इस गर न क परि ि म नक ि त्मक हो ि है ि ि इसे **सकल ह षा** कह ज ि है।

सकि ि

सकि ि क ि ि त्मयासकि ि, सकि ि ि एजेषमयो औ ि सम न षाक यो से है, च हे वह स्थ नीय, ि षीय य अ ि ि ष्ीय हो।

सकि ि ि अनुद न

सकि ि ि अनुद न सकि ि द ि पूवाय भषाषम मे कुछ श ि ि के अनुप लन के षाए कसी उद म को नकदी य ि ि हि से सह यि पद न की ज ि ि है। वह सकि ि ि सह यि के उन र पो को ि हि ि खि ि है षनक उषच ि मूल्य नही लग य ज सक ि है औ ि सकि ि के स थ लेनदेन षन्हे उद म के स म न्य व प रि क लेनदेन से अलग नही कय ज सक ि है।

सकल ि हीख ि मूल्य

कसी षार्ष ि सम्पषा क सकल ि हीख ि मूल्य, लेख ि ष्हियो य षातीय षावरि ि मे ऐषि हि षाक ल गि के स्थ न प ि उसकी ऐषि हि षाक ल गि य अन्य ि किम हो ि ि है। ज ि इस ि किम को सम्पषा ि अवकयर क शुद कख य ज ि है ि ि इसे शुद ि हीख ि मूल्य कह ज ि है।

आय औ ि व य षावरि

एक षातीय षावरि , षजसे अक्स ि गै ि-ल भक ि ि उद मो जैसे क्ल ि ि, सघो आद द ि ि ि ि य ि कय ज ि है। कसी लेख अवधष के षाए अपने *ि जस्व* औ ि *व य* को पस्त ि ि क नि औ ि उस अवधष के षाए *व य* से अधष्क *ि जस्व* (य षापी ि ि ि) कख न । यह ल भ औ ि हि षा षावरि के सम न है औ ि इसे **ि जस्व व व य षावरि** भी कह ज ि है।

अमूि ि सम्पषा

ऐसी *सम्पषा* षजसकी कोई भौषि क पहच न नही हो ि ि है उद हरि के षाए *स ख*, पेटेट, कॉपी ि इट आद।

म लसूची सम्पषा है:

(a) स ध ि रि व वस य मे षाकय के षाए ध ि ि ि;

(b) ऐसे षाकय के षाए उत्प दन की पकय मे; य

(c) उत्प दन पकय मे य सेव ओ की रर मुषि ि मे पयुि की ज ने व ली स म ि ि ि य आपूरि के र प मे है।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

षावेश

क्य ज, आय, ल भ य अन्य ल भो को उप जन्त कनिे के षलए षावेशक क सांपषत्तयो पि व य।

षावेश

ऐसी *सांपषत्त य* (जो परिचि लन पयोजनो के षलए य सेव पद न कनिे के षलए ध रि ि न हो अथ ि *षमयि सांपषत्तयो य वि मि न सांपषत्त* से षभन्न सांपषत्त य ।(उद हरि के षलए पर्षभूषि य ।, शेयि, *ऋर पत्र*, सांपषत्त)।

ज ि ि शेयि पूांजी

अषधकृि शेयि पूांजी क वह भ ग जो व सि व मे सदस्यि के षलए पस्िि ि षकय गय है। इसमे षनगषमि उद म द ि आवांषटि ि *षनस शेयि* शि षमल है।

सांयुि उद म

सांयुि उद म एक सांषवद त्मक व वस्थ है षजसके ि हि दो य दो से अषधक पक एक आर्थिक गषि षवषध कि ि है, जो सांयुि षनयांत्रर के अधीन है।

अि मे आय ि, पहले ि ह ि (LIFO)

षकसी अवषध के दौि न षबि गय य पयुि षकय गय मदो की ल गि की सांगरन इस आध ि पि की ज ि ि है षक आषि म र प से उप रजि वस्िुओ को पहले षवकय षकय गय य षकि पयुि षकय गय ।

ि ि लि ि

म षलक षनषधयो के अल व षकसी उद म क षवत्तीय द षयत्व।

ध रि षधक ि

षकसी अन्य की *सांपषत्त* को /सांपषत्त मे षावेशक ि नि ए ि खिने के द ि षकसी अन्य के षवरद द वे को सांिुष्ट कनिे क एक व षि क अषधक ि होि है।

दीघषक लीन ि ि लि ि

द षयत्व जो अपेक्ष कृि कम अवषध मे भुगि न के क रि देय नही होि है. य नी, आम ि ौि पि ि ि हि महीने से अषधक की अवषध नही होि ि है

पट

पट एक समझौि है षजसके ि हि पट द ि भुगि न य भुगि न की शृांखल के ि दिले मे पटेद ि को एक सहमि अवषध के षलए सांपषत्त क उपयोग कनिे क अषधक ि देि है।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

अहषमयि

एक लेख क्षन अवध रि षजसके अनुस ि सभी ि्लिन तमक र प से महत्वपूर ाौ ि पि साम्राक वस्ि्ए, अथ ि, षतीय षवरि ो के उपयोगक ि के षार ाो को पभ षा ि कनि व ली ज नक िी षतीय षवरि ो मे ि ि य ज ि है।

ऋर

अष मि ऋर प प कनि के पयोजन के षलए षशाष स्थ व ि साम्राष मे बय ज क अ ि रि , य अष मि होने के षलए, एक मौजूद य भषषय क ऋर य क्षसी क याक षाषम दन जो क्षसी आरथक *द षयत्व* को जन्म दे सक ि है। चुक य गय ऋर य पू ि क्षकय गय व द षयत्व जो ऋर चुक ने प ि छुड षलय ज ि है

शुद साम्राष/शेयधि ि को की षाष/शुद षवल मूल्य

क्षसी *उद म की साम्राष य* (झूठी *साम्राष य* के अल व) अन्य *ि ही मूल्य* से अषक

द षयत्व इसे **शुद षवलमूल्य** य **शेयधि ि को की षाष** के र प मे भी ज न ज ि है।

शुद षष ि साम्राष य ा

षायि साम्राष यो मे से साम्रा ि मूल्य ह स को घट क ि निवीनि मि क्षकय गय है।

शुद ल भ/शुद ह षा

क्षसी षवरि लेख अवषि के दौ ि न *व य* से अषक *ि जस्व* ज ि इस गर न क पररि म नक ि त्मक हो ि है, ि ो इसे **शुद ह षा** कह ज ि है। क ि से पहले य ि द मे शुद ल भ क्षख य ज सक ि है।

शुद पत्यक मूल्य

शुद वसूली योग्य मूल्य व वस य के स म न्य प ठ कम मे अनुम षा ि षाकय मूल्य है, षजसमे पू ि होने की अनुम षा ि ल ग ि व षाकय कनि के षलए आवश्यक अनुम षा ि ल ग ि कम हो ि ी है।

अपचषला ि

ि कनीकी परवि ि ो के क रि क्षसीसाम्राष के पु ि ने हो ज ने य उसके कम उपयोगी हो ज ने के क रि उसके मूल्य मे कमी आन उत्प दन षाषयो मे सुध ि , साम्राष के उत्प द य सेव उत्प दन के षलए ि ज ि मि ाा मे परवि ि य क नूनी य अन्य पष ि षि है।

परचि लन ल भ

यह *शुद ल भ* क्षसी उद म के स म न्य सम्रा लन व गष षषयो से उत्पन हो ि है, षजसमे षशुद र प से षतीय पकृष के ि हि ी लेनदेन औि व यो क लेख नही हो ि है।

शेयर पूंजी भुगत न

अप्रदत शेयर पूंजी क वह भ ग जिसके लिए नकदी मे य अन्यथ प्रतिफल प प हुआ है। इसमे निगमित उद म के आवंटित *निस शेयर* सम्मलित है।

वरीयत शेयर पूंजी

किसी निगमित उद म की *शेयर पूंजी* क वह भ ग जिसे निश्चित *ल भ श* के भुगत न व *पूंजी* के पुनभुर्गत न के संबंध मे अधिम न्य अधिक र प प है। वरीयत शेयरो के अतिरिक्त ल भ य अधिशेष पूंजी मे पूर ाय आंशिक भ ग लेने के अधिक र भी हो सकते है।

प रंभिक व य

किसी उद म के गठन से संबंधित व य। यह उद म के गठन के लिए किय गय क नूनी, लेख ंकन व शेयर निगमन पर व य श मिल है।

पीपेड व य

एक लेख ंकन अवधि मे व य के लिए भुगत न, जिसक ल भ ब द की लेख ंकन अवधियो मे उप र्जत होग ।

पमुख मूल्य

पत्यक स मग्री की कुल *मूल्य*, पत्यक मजदूरी व अन्य पत्यक उत्प दन व य।

पूवाक ल वस्तु

पूवाअवधि की वस्तुएआय य व य है जो एक य अधिक पूवाअवधि के वित्तीय विवरणो की तैय री मे त्रुटियो य चूक के परिण मस्वरूप व तम न अवधि मे उत्पन्न होती है।

ल भ/ह नि

संबंधित *मूल्य* पर *व्यय* की अधिकत के लिए एक स म न्य शब्द। जब कि इस गर न क परिण म नक र त्मक होत है तो इसे **ह नि** कह ज त है।

ल भ व ह नि लेख

एक वित्तीय विवरण जो एक लेख ंकन अवधि के लिए किसी उद म के *व्यय* व *व य* को पस्तुत करत है और *व य* पर *व्यय* की अधिकत (य इसके विपरीत) को दश त है। इसे **ल भ एवं ह नि ख त** भी कह ज त है।

वचन नोट

निवेशक को लिखित र प मे एक उपकरण (बैंक नोट य मुद्र नोट नही) जिसमे कत द त हस्त क्षर करत एक बिन शर्त वचन होत है, केवल एक निश्चित व्यक्ति य उसके आदेश पर, एक निश्चित रकम क भुगत न करने के लिए उपकरण है।

प वध न

संपत्ति के मूल्य में मूल्य *ह स य कमी* के लिए प वध न करके टि ख ि में ड ली गई य ख्वी गई किम य किसी ज ि द ष्यत्व के लिए प वध न के म ध्यम से ख्वी गई किम, जिसकी किम पय ाप सटीकि के स थ निध रि ि नहीं की ज सकि ी है।

संदिग्ध ऋ ों के लिए प वध न

वसूली में संदिग्ध म ने ज ने व ले ऋ ों के लिए किय गय *प वध न*।

समझद ि ी

लेख ांकन में उपयोग की ज ने व ली देखभ ल और स वध नी की एक अवध रि जिसके अनुस ि (भविष्य की घटन ओं से जुडी अनिश्चि ि ि को देखि े हुए) *ल भ* क अनुम न नहीं लग य ज ि है, लेकिन केवल ि भी पहच न ज ि है जि महसूस हो, ह ल ांकि जरू ी नहीं कि नकदी में हो सके। इस अवध रि के ि हि, सभी ज ि *द ष्यत्वों* व ह नि य ों के लिए *प वध न* होि है, ह ल ांकि ही किम निश्चि ि रूप से निध रि ि नहीं की ज सकि ी है एवं उपलब्ध सूचन ओं की ि ोशनी में यह केवल सर्वोत्तम अनुम न क प्रति निधित्व कि ि ी है।

भुन ने योग्य व ीयि शेयि

व ीयि शेयि जो नियि य निध रि ि अवधि के ि द य किसी भी समय पि प ध न द ि निध रि ि किय ज ि है (उचि ि सूचन देकि), निगमन विलेख ि य नियम की श ि ों द ि निर्धा ि ि श ि ों के ि हि प्रति देय होि है।

ऋ मुक्ति

स म न्य रूप से व ीयि शेयि ों और ऋ पत्रों के संबंध में उपयोग की ज ने व ली श ि ों के अनुस ि चुक ने योग्य है।

संचय

किसी उद्यम की उप जि , प नि य ाय अन्य ि चि शेि ि क भ ग (च हे पूंजी हो य ि जस्व) संपत्ति के मूल्य में मूल्यह्रास य कमी य ज ि *द ष्यत्व* के *प वध न* के *अल व* किसी स म न्य य विशेष उद्देश्य के लिए प ध न द ि विनियोजि ि किय ज ि है। वह मुख्य रूप से दो प्रक ि के संचय है: *पूंजी भंड ि* व ि *ि जस्व भंड ि*।

पुनमूल्य ांकन संचय

किसी उद्यम की *संपत्तियों* य *शुद्ध* संपत्तियों के पुनमूल्य ांकन परिण म ि *संचय* निधि, जिसक प्रति निधित्व उसके *ि ही* मूल्य प ि अनुम नि ि प्रतिस्थ पन मूल्य य अनुम नि ि ि ि ि मूल्यों के ि चि शेि द ि किय गय ज ि है।

अवशेष मूल्य

अवशेष मूल्य वह किम है जो एक उद्यम किसी संपत्ति के निपट न की अपेक्षि ि मूल्य में कटौि ी के ि द उसके उपयोगी जीवन के अंि म में प प्ि करने की उम्मीद कि ि है।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

ि जस्व आय

ि जस्व ककसी उद म की स म न्य गर्वषधियो के दौि न म ल की षबकय, सेव ओ के पर्व ि दन व ब्य ज, उद म सस धनो व ल भ श दे ने व ले उद म सस धनो के अन्य उपयोग से उत्पन्न होने व ली नकदी, प प्य य अन्य पर्व फिल क सकल पव ह है। ि जस्व को ि हको य ि हको को आपूर्ति ककय गय म ल व सेव ओ के षलए ददय गय पभ ि एवाउनके द ि सस धनो के उपयोग से उत्पन्न होने व ले पभ ि व पुस्कि ि द ि म प ज ि है। ककसी एजेसी के सबंध मे, ि जस्व, कमीशन की ि कम होि ि है न कक नकद, प प्य य अन्य पर्व फिल क सकल अि व ह।

ि जस्व सबंय

पूंजीगि आषिकि षिषध के अल व कोई भी आषिकि षिषध।

सही शेयि

एक षिगषमि उद म द ि नई *पूंजी* के मुद्दे पि शेयि ि क आवटन, षजसके षलए एक शेयधि ि कि भुगि न क हकद ि होि है, उद म मे उसके द ि पहले से ि खे गए शेयि ि की सख्य के अनुप ि मे कुछ शेयि ि खिने के आध ि पि। (*ऋर पत* षवेशको की कुछ शेषर यो को उनके द ि प प अषधक ि ि के अनुस ि आवटि शेयि ि को कभी-कभी सही शेयि कह ज ि है)

षबकय टनओवि/सकल टनओवि/सकल षबकय

कुल ि कम षजसके षलए षबकय की ज ि ि है य ककसी उद म द ि पदत सेव एं। **सकल टनओवि** औि **शुद टनओवि** (य **सकल षबकय व** शुद षबकय) शब्द क उपयोग कभी-कभी व पसी व व प ि कि छूट की कटौि ि से पहले व ि द मे **शुद षबकय** को अलग कि ने के षलए ककय ज ि है।

सुिषक्षि ऋर

ककसी सपषत के षगरवी पूर ि : आश्वस्त र प सुिषक्षि ऋर

शेयि पूंजी

ककसी षिगषमि उद म के शेयि ि /य स्टॉको पि भुगि न की गई ि कम क योग।

शेयि छूट

वह अपने षिगषमि मूल्य पि शेयि ि के अंककि मूल्य से अषधक है।

शेयधि ि को की इक्कटी

ककसी षिगषमि उद म की शुद *सपषत यो* मे शेयधि ि को क षहि ह ल ककं, परिसम पन के षि यि मे इसक पर्वषिषधत्व पूव द वो को पूि कि ने के ि द अवषशष सपषत यो को ककय ज ि है।

शेयर िव य ज ीिकर्

ष्गगम औ ि शेयरा ि के आवटन के स िध मे उपगी मूल्य। इनमे क नूनी व पेशेव शुल्क, ष्गज पन व य, मुदर मूल्य, ह मीद ि आयोग, बोकर्ज औ ि षवि ि पष्ट क औ ि शेयरा ि के आवटन के स िध मे व य सम्मषत ि है।

शेयर व िट कर्

शेयर व िट य ष्मकलय ष्मतीय उपकरि है जो ष्मवेशक को इककटी शेयर ह ष्मल कि ने क अष्धक ि देि है।

पषभूष पीष्मयम

शेयरा ि के ष्गगम मूल्य क उनके अ ष्कत मूल्य से अष्धक होन ।

ऋर शोधन ष्मष्ध

ष्ककसी *द ष्यत* के भुग ि न के ष्लए य ष्ककसी स म्पष्त के पष स्थ पन के ष्लए ष्मम ि *ष्मष्ध।*

सीधी रेख पद ष

वह ष्मष्ध ष्मसके अधीन *ह स* के ष्लए आवष्यक शुल्क मूल्य को ष्मभ ष्मत कि के स म र न की ज ि ी है

ष्ककसी *मूल्यह स योग्य स म्पष्त की मूल्यह स* ि कम उसके उपयोगी जीवन के व ि की अनुम ष्मत स ख्य के आध ि पि होगी।

सब्सक्र इब्ड शेयर पूँजी

ज ि ी की गई शेयर पूँजी क वह भ ग ष्मसे व स्ति व मे सब्सक इ ि व आवष्टत ष्कय गय है। इसमे ष्मगष्मत उद म द ि आवष्टत *ि िनस शेयर* सम्मष्मलत है।

स ि के र प मे

एक लेख क्रन अवध रि ष्मसके अनुस ि लेनदेन औ ि घटन ओ क केवल क नूनी र प ही नही ष्बल्क उनक स ि ष्मतीय ष्मव ि िो मे उनके लेख क्रन उपच ि व पदशन को ष्मयष्मत कि ि है।

ष्मष्मध लेनद ि/व प ि लेनद ि/व प ि वेि नि

खि ीदी गई वस्तुओ य प प सेव ओ के क ि ि य स ष्मद त्मक कि ि के स िध मे ष्ककसी उद म की ि कि य ि कम। इसे **व प ि लेनद ि य ख ि वेि नि औ ि व प ि भुग ि न** योग्य भी कह ज ि है।

ष्मष्मध देनद ि/व प ि देनद ि/व प रिक प ष्मय ि

वह व ष ि ष्मससे ष्मकय की गई वस्तुओ य पद न की गई म लो के ष्लए य स ष्मद त्मक कि ि के स िष्ध ि मे ि कम देय है। देनद ि भी कह ज ि है, **देनद ि. व प रिक देनद ि, ख ि प ष्म व प रिक प ष्मय ि** भी कह ज ि है।

विशिष्ट शेयर

केष्ट शेि *लाभ वाहक षम षवरि* में पर्सि षि षि षयोजन, उदाहरण के लिए, लाभांश या समय प्रदान करना *लाभांश या सामान्य षषष।*

व्यापारिक छूट

किसी सफल यदि या माल या सेवाओं की सूची मूल्य से विक्रेता द्वारा भुगतान के अलावा व्यापार के आधार पर की गई कटौती।

मूल्य समाप्त

किसी *व्यायक* वह भाग जिसका लाभ अभी तक समाप्त नहीं हुआ है।

अनिर्गमित शेयर पूंजी

अधिकृत शेयर पूंजी का वह भाग जिसके लिए शेयरों की सदस्यता के लिए प्रस्ताव नहीं है।

लाभांश अदा नहीं

लाभांश जो किसी कंपनी द्वारा घोषित किया गया हो लेकिन भुगतान नहीं किया गया हो, ऐसा वारंट या चेक जो निर्धारित अवधि के भीतर न भेजा गया हो।

उपयुक्त जीवन

उपयुक्त जीवन या तो (i) वह अवधि है जिसके दौरान उद्यम द्वारा मूल्यह्रास योग्य संपत्ति का उपयोग किए जाने की अपेक्षा की जाती है; या (ii) उद्यम द्वारा परिसंपत्ति के उपयोग से प्राप्त होने वाली अपेक्षित उत्पादन या समान इकाइयों की संख्या।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान